वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 68 | गुरुवार 6 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रिश्वत के रूप में अस्मत मांगने वाले भेडियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए: सीपी जोशी

प्रदेश में थ्री डी यानी दुष्कर्म, दुर्व्यवहार और दलित उत्पीड़न की सरकार: राहटकर

आक्रोश सभा के बाद महिलाओं ने किया सीएम आवास की ओर कूच, बेरिकेटिंग तोडने के दौरानं भरतपुर सांसद सहित दर्जन भर से ज्यादा महिलांए घायल

जयपुर. कासं

प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचारों के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा की आक्रोश सभा आयोजित हुई जिसमें महिलाओं ने थाली नाद किया। इस दौरान भाजपा की प्रमुख महिला नेताओं ने महिलाओं को संबोधित किया। इसके बाद बडी संख्या में महिलाओं ने सीएम आवास की ओर कूच किया।

सीएम आवास की ओर जा रही महिलाओं और पुलिस के बीच बैरिकेटिंग तोडने को लेकर जमकर झड़प हुई। जिसमें महिला मोर्चा की नेताओं सहित करीब दर्जन भर से ज्यादा महिलाएं घायल हुई। इसके अलावा प्रदर्शन के दौरान महिलाओं द्वारा बड़ी संख्या में गिरफ्तारी दी गईं। जिन्हे बसों द्वारा अन्य स्थानों पर छोड़ा गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर में प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश की अकर्मण्य, गूंगी-बहरी और महिला अत्याचारी कांग्रेस सरकार को जागृत करने के लिए भाजपा की मातृशक्ति द्वारा आयोजित ''महिला आक्रोश आंदोलन'' को संबोधित किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि दिसम्बर 2018 में जब से प्रदेश की कांग्रेस सरकार आई है, इनकी अकर्मण्यता से प्रदेश महिला अपराध में देश के शीर्ष राज्यों में शुमार हो गया है। औसतन 15 से 18 दुष्कर्म की घटनाऐं प्रतिदिन हो रही हैं। महिलाएं ना घर में, ना खेत मे, ना सड़कों पर, ना एंबुलेंस में, ना अस्पतालों में, ना विद्यालय में, ना पुलिस थाने में, प्रदेश में किसी भी स्थान पर सुरक्षित नहीं है। सड़कों पर पति के सामनें सामुहिक दुष्कर्म किया जाता है, सरकारी विद्यालयों में शिक्षक दुष्कर्म करतें हैं, जब थाने में सुरक्षा मांगने जाती है तो वहां के अधिकारी रिश्वत के रूप में अस्मत मांगते है। मैं कहता हूं ऐसे भेड़ियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश में महिला दुष्कर्म एवं अत्याचार की लगातार विभत्स घटनाएं घट रही हैं, लेकिन प्रदेश का मुखिया अपनी कुर्सी की चिंता में खोया हुआ है। पूछो तो बोलते है कि 65 फीसदी दुष्कर्म के मामले फर्जी होते हैं। इनसे जब सदन में महिला अत्याचार और दुष्कर्म पर प्रश्न पूछा जाता है तो इनके मंत्री जबाव देते है कि राजस्थान तो मर्दों का प्रदेश है। हमें शर्म आती है ऐसी सरकार पर जो महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम हैं। अब इस नाकारा सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। मुख्यमंत्री सिंहासन खाली करो यह नारी शक्ति का आह्वान है। आज हमारी मातृशक्ति महिला आक्रोश आंदोलन के जरिए इस निकम्मी सरकार को करारा जवाब देगी, इसे आईना दिखाएगी, इसे जागृत करने का प्रयास करेगी।

मैं वादा करता हूं कि पांच महीने बाद जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो महिलाओं पर अत्याचार करने वाले अपराधियों को ऐसी कड़ी सजा दी जाएगी कि दोबारा किसी अपराधी की महिलाओं को गलत तरीके से आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं होगी। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बेटियों को अभिशाप नहीं वरदान मानते है इसलिए मोदी सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं जैसी योजना शुरू की और महिलाओं को आगे बढ़ाने एवं सम्मान देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं को आवास देने, घर-घर शौचालय बनाने, महिलाओं को गैस कनेक्शन देने, मुद्रा योजना में 70 प्रतिशत लोन देने सहित, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ में महिलाओं के चयन का रास्ता खोला और आजादी के बाद पहली बार सैनिक स्कूलों में भी बेटियों के प्रवेश प्रारम्भ हुआ।

महिला आक्रोश सभा महज एक ट्रेलर

भाजपा महामंत्री और सांसद दिया कुमारी ने महिलाओं की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज की महिला आक्रोश सभा महज एक ट्रेलर है। पूरी फिल्म अभी बाकी है। प्रदेश में गहलोत सरकार के राज में महिलांए और बच्चियां कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। गूंगी बहरी गहलोत सरकार को जगाने के महिला मोर्चा अब प्रत्येक गांव और ढाणी में जाकर महिला अत्याचारों के खिलाफ चौपाल लगाएंगी। इस दौरान उन्होने बीकानेर के खाजूवाला, मावली, डूंगरपुर, उदयपुर सहित प्रदेश की अन्य घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत सरकार को कुर्सी पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। काली और दुर्गा की पूजा करने वाले प्रदेश में आज महिलाओं का इस कदर अपमान अब महिला शक्ति सहन नहीं करेगी। भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत महिला उत्पीडन पर लगाम नहीं लगा पाए तो कहते हैं कि दुष्कर्म के 65 फीसदी मामले झूंठे और फर्जी होते हैं। प्रदेश की सरकार निरंकुश और तालीबानी सरकार है। शासन और प्रशासन महिला उत्पीडन के मामलों में कार्रवाई करने की बजाय हाथ पर हाथ रखे बैठी है। अलवर में एक मूक बधिर बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना होती है। उस दौरान प्रियंका गांधी अलवर नही आई पिकनिक मनाने रणथम्बोर में जाती हैं। प्रियंका गांधी किस मुंह से लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा देती हैं। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अल्का मूंदडा ने कहा कि प्रदेश में जिस तरह से महिलाओं के खिलाफ अपराध बढे हैं ऐसा लगता है कि सरकार है ही नहीं। आक्रोशित महिलाओं की मौजूद भीड बता रही है कि अब प्रदेश में महिला विरोधी गहलोत सरकार की विदाई का समय आ गया है। मंच का संचालन महिला मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा ने किया।

गुरू ही जीवात्मा को दिखाता मोक्ष का रास्ता, अज्ञानतावश नहीं करें अनादरः शास्त्री

रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवात्मा की रचना भले परमात्मा करता है लेकिन उस जीवात्मा को मोक्ष पाने का रास्ता गुरू ही दिखाता है। परमात्मा तो जीव को बनाकर संसार की मोह माया में डाल देता है ओर बाद में उसकी खोज खबर भी नहीं लेता। ऐसे में यदि गुरू का सही मार्गदर्शन नहीं मिले तो जीवात्मा 84 लाख योनियों में भटकती ही रहेगी। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने बुधवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। सत्संग में डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री ने कहा कि मानव जीवन अनमोल है ओर करोड़ो वर्ष तक दुःख भोगने पर जीवात्मा को मानव जन्म मिलता है। मानव जीवन मिलने के बाद अज्ञान व मूढ़ता वश गुरू का उपदेश अंगीकार नहीं किया तो जीवन का कल्याण नहीं हो पाएगा और जन्म-जन्मांतर भटकते रहेंगे। गुरू का कभी जीवन में अनादर नहीं करना चाहिए। गुरू के लिए शिष्य पुत्रवत होता है ओर वह हमेशा उसके कल्याण की कामना करता है। शास्त्री ने कहा कि परमात्मा ने भी यदि मनुष्य शरीर में अवतार लिया तो वह भी बिना गुरू के इस संसार से विदा नहीं हुए। इसलिए अज्ञानी नहीं बन गुरू के उपेदशों को जीवन में अंगीकार करे और आत्मकल्याण के पथ पर आगे बढ़ जाए। उन्होंने कहा कि गुरू का सम्मान करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलकर जन्म-मरण के बंधन से छुटकारा मिलने के साथ मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। रामद्वारा में चातुर्मासिक सत्संग के दौरान प्रतिदिन भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ो श्रद्धालुजन सत्संग श्रवण के लिए पहुंच रहे है। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। सत्संग में रामस्नेही परम्परा के भजन की प्रस्तुति इंदु वर्मा ने दी।

साहूकार पेठ साध्वी मंडल की प्रेरणा पर सिध्द तप और पैसटिया जाप का हुआ आगाज

प्रमादी व्यक्ति धर्म नहीं कर सकता है: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। जो व्यक्ति प्रमाद करता हैं वह धर्म नही कर सकता हैं। बुधवार को महासती धर्मप्रभा ने साहूकार पेठ एस.एस.जैन भवन साहूकार पेठ में चातुर्मास के चतुर्थ दिवस धर्म आराधना करने वाले सैकड़ों श्रध्दालुओं से कहा कि मानव के जीवन का कौई भरोसा नही कब उसकी सांसे थम जायें और शरीर को त्यागना पड़ जाये । उससे पहले व्यक्ति संभल जाए तो आत्मा को दुर्गति में जाने से बचा सकता हैं। मनुष्य के पास इधर उधर की बातें करने का समय हैं,परन्तु धर्म के लिए नहीं हैं। इन्द्रियों के क्षीण होने से पहले मनुष्य क्रोध मोह,माया,लोभ और प्रमाद का परित्याग कर देवें,तो आत्मा के मोक्ष मे जाने से कौई नही रोक सकता हैं ।अगर तुम भगवान को भूल गये तो वह भी तुम्हारी रक्षा नही करेगें। जब तुम निस्वार्थ भावो से उसकी साधना आराधना करोगें तभी वह तुम्हारी वो रक्षा करेगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराधन्य सूत्र का वाचन करते हुये कहा कि प्रमादी व्यक्ति को उचित अनुचित का ज्ञान नही होता हैं। उसे यही लगता हैं कि जो वह कर रहा वह सही हैं। इस शरीर के मिठ्ठी मे मिलने पहले परमात्मा की भक्ति करेगा तो मुक्ति का मार्ग प्राप्त कर लेगा। जबकि मानव का जीवन क्षणभंगुर हैं,फिर वह कसायों मे लिप्त रहता है। छोड़ने पर जीवन को सफल बना सकता हैं। एस. एस. जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया कि धर्मसभा मे एक उपवास चार उपवास आदि तपस्याओ के साथ आयंबिल, एकासन व्रत के अनेकों जनों ने साध्वी धर्मप्रभा,विदुषी स्नेहप्रभा से प्रत्याख्यान लिये । तथा साध्वी मंडल की प्रेरणा पर 65 दिनों प्रतिदिन होने पैंसटिया के जाप का घर घर मे करवाने का संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी,महामंत्री सज्जनराज सुराणा, पदमचंद ललवानी, पी महावीर कोठारी,जितेंद्र भंडारी, बादल चंद कोठारी, शम्भूसिंह कावड़िया, हस्तीमल खटोड़ आदि पदाधिकारियों और सैकड़ों भाई बहनों की उपस्थिति मे साध्वी धर्मप्रभा के मंगल पाठ से शुभारंभ किया गया। धर्मसभा का संचालन सज्जनराज सुराणा द्वारा किया गया।

सावन महीने की शुरूआत रक्तदान के साथ

कोटा. शाबाश इंडिया

मंगलवार को एक हृदय रोगी बादाम बाई के प्लेटलेट्स काफी गिर गई इस पर एसडीपी की आवश्यकता होने पर यूथ एक्शन फॉर सोसायटी टीम के सचिव विमल आजाद रक्त सेवा परिवार टीम के अध्यक्ष दीपक मीणा कॉल करके मरीज की स्थिति से अवगत कराया मीणा तुरंत एसडीपी देने के लिए तैयार हो गए और कोटा ब्लड बैंक पहुंचकर एसडीपी डोनेट की मीणा अब तक कुल 34 बार रक्तदान कर चुके हैं इस दौरान वहां पर विमल आजाद, ललित मीणा,लोकेश प्रजापति आदि मौजूद रहे।

आयुष कटारिया ने सीए में लहराया परचम

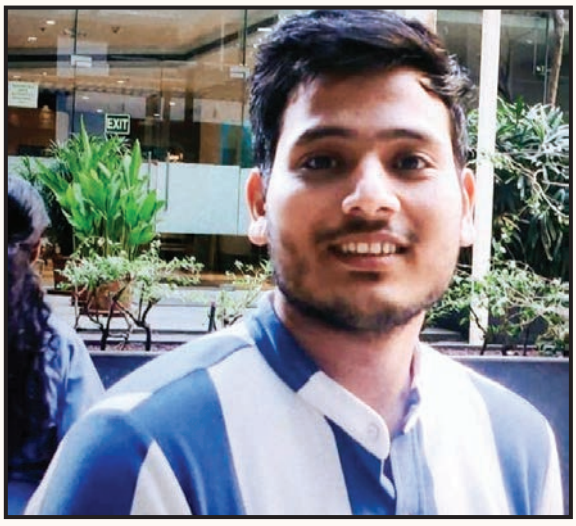

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल के बेच 2017-18 के प्रतिभाशाली छात्र आयुष कटारिया ने सीए फाइनल रिजल्ट में ऑल इंडिया लेवल पर 44वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय का एवं परिवार का नाम रोशन किया। 2018 में भी आयुष ने सीए फाउंडेशन में ऑल इंडिया लेवल पर 46 वीं रेंक प्राप्त की थी। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया तथा प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने आयुष की इस उपलब्धि पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी और कहा कि महावीर स्कूल के विद्यार्थी जयपुर शहर के साथ-साथ पूरे देश में ही नहीं अपितु विश्व भर में स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

आचार्य विनीत सागर जी का भव्य मंगल प्रवेश श्योपुर में

9 जुलाई को होगी मंगल कलश स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य विनीत सागर महामुनिराज का चातुर्मास श्योपुर स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में होगा। बुधवार को आचार्यश्री का भव्य मंगल प्रवेश समारोह पूर्वक हुआ। चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर के राकेश पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर श्योपुर मंदिर के नवयुवक मंडल के तत्वाधान में पिंजरापोल गौशाला से श्योपुर जैन मंदिर तक हाथी-घोड़े और बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाएं मंगल कलश हाथ में लेकर चल रही थीं वहीं पुरुष बैंड की मधुर स्वरलहरियों पर झूमते हुए चल रहे थे। कुछ अनुयायी धर्मध्वजा लिए चल रहे थे। शोभायात्रा का अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मार्ग में जैन समाज के अनुयायियों ने मुनिराज का पाद प्रक्षालन किया। शोभायात्रा क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होते हुए जैन मंदिर पहुंची जहां आचार्यश्री का मंगल प्रवचन हुआ। चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष बाबूलाल पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ जिसके तहत साज-बाज से गुरु वंदना की गई। इसके बाद मुनिराज ने श्रावकों को उद्बोधन देते हुए जैन मुनि का गुरुचार्य करने के लाभ बताए। महाराज ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सत्कर्म करना चाहिए। यदि समय की कमी हो तो जो समय सुलभ हो उसे प्रभु के और संतों के संग में व्यतीत करना चाहिए। इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर के नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी सहित जैन समाज के प्रबुद्धजन, सेक्टर 3, 5, 8 और 17, चित्रकूट कॉलोनी और पारसनाथ कॉलोनी सहित पूरे जयपुर के समाज श्रेष्ठी, महिला मंडल एवं समस्त प्रताप नगर की श्रावक-श्राविकाएं भी उपस्थित रहीं।

मानवता ही इंसान का सच्चा धर्म है : डॉक्टर प्रितीसुधा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया। भीलवाड़ा, शास्त्री नगर। मानवता ही धर्म हैं। प्रखर वक्ता डॉक्टर प्रिती सुधा ने बुधवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे धर्मभा में श्रावक श्राविकाओं प्रवचन में धर्मसंदेश देतें हुयें कहा कि हम परमात्मा को तो मानते हैं पर हम परमात्मा की बात को नहीं मानते। यदि हम अपने जीवन में परमात्मा को मानने लग जाये तो जीवन का कल्याण हो जायेगा हमें मोह का त्याग करना चाहिए मोह का त्याग एक बार यदि हो जाये तो जीवन महान बन जाएगा। मानव को कोई भी चीज क्रोध से नहीं प्रेम से जीतनी चाहिए और क्रोध को क्रोध से नहीं बल्कि क्षमा से जीतना चाहिए। जो व्यक्ति क्षमा को धारण करके राता है वह महान बन जायेगा। मनुष्य का अभिमान सदैव उसके आदर्शो और मानव मूल्यों को नष्ट कर देगा। धर्म पर आस्था और विश्वास रखकर जीवन को जियेगा वही व्यक्ति मानवता धर्म को निभा कर जगत मे महान बनेगा। इस दौरान महासती उमराव कंवर साध्वी मधुसुधा साध्वी संयम सुधा आदि सभी ने विचार रखें। अहिंसा भवन महामंत्री रिखबचंद पीपाड़ा ने बताया कि इसदौरान जौधपुर,पाली चितौड़गढ़,सोजत बिलाड़ा आदि क्षेत्रों से पधारे अतिथीयो का श्रावकों संघ के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, अशोक पोखरना हेमन्त आंचलिया,संदीप छाजेड़,कुशल सिंह बूलिया आदि पदाधिकारियों एवं चंदनबाला महिला मंडल की बहनों ने सभी तेला तप आराधकों का सम्मान किया और सामूहिक अहिंसा भवन मे पारणे करवायें।

वेद ज्ञान

मन की सर्जरी

जब किसी व्यक्ति का दुर्घटना में चेहरा विकृत हो जाता है तो उसकी सर्जरी करके उसे एक नया रूप व जीवन दिया जाता है, ताकि वह पहले जैसा स्वस्थ और सुंदर दिखने लगे। होता भी ऐसा ही है। इसी तरह सर्जरी हमारे मन की भी होती है। शारीरिक सर्जरी जहां डॉक्टर करते हैं वहीं मानसिक सर्जरी मनोचिकित्सक के साथ-साथ व्यक्ति स्वयं कर सकता है। लेखक मैक्सवेल मॉल्ट्ज ने प्रसिद्ध पुस्तक साइको साइबरनेटिक्स में लिखा है कि पुराने भावनात्मक निशानों को हटाने वाला ऑपरेशन केवल आप ही कर सकते हैं। आपको स्वयं अपना प्लास्टिक सर्जन बनना होगा। परिणाम होगा नया जीवन, नई स्फूर्ति, नई मानसिक शांति और सुख। भावनात्मक निशानों या मन की चोटों का इलाज दवाओं या डॉक्टर के माध्यम से नहीं किया जा सकता। जिस तरह सर्जरी के लिए उपकरणों की आवश्यकता होती है उसी तरह मानसिक सर्जरी के लिए भी क्षमा, आत्मसम्मान, ईमानदारी, करुणा, प्रेम और आत्मविश्वास जैसे उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। खुशी की बात यह है कि ये उपकरण हर व्यक्ति के पास हैं, बस वे इनका इस्तेमाल करने में कभी-कभी देर कर देते हैं जिससे मन का घाव बढ़ता जाता है। कई लोगों को तो मानसिक चोट मृत्यु के मुंह पहुंचा देती है। यदि शारीरिक बीमारी का इलाज समय पर न किया जाए तो व्यक्ति अपंग हो जाता है और कई बार तो असमय ही मृत्यु का ग्रास भी बन जाता है। उसी तरह यदि मन में बैठे अवसाद के लिए मानसिक सर्जरी न की जाए तो व्यक्ति मानसिक रूप से पागल हो जाता है और कई बार मानसिक पीड़ा इतनी अधिक बढ़ जाती है कि इसके कारण व्यक्ति की हालत मौत से भी बदतर हो जाती है। इसलिए व्यक्ति को स्वयं ही मानसिक घावों को धोने के लिए मानसिक सर्जरी करने का स्वयं प्रयास करना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस तरह शरीर की सर्जरी करने के लिए एक कुशल डॉक्टर की आवश्यकता होती है उसी तरह मानसिक सर्जरी करने के लिए किसी कुशल डॉक्टर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सकारात्मक दृष्टिकोण हर व्यक्ति विकसित कर सकता है। वैसे भी जीवन में सुख और दुख दोनों ही होते हैं।

संपादकीय

बेहद खतरनाक है मणिपुर की अनदेखी

मणिपुर के संदर्भ में देखा जा सकता है कि किसी संवेदनशील मसले की अनदेखी या उसके हल को लेकर समय पर जरूरी कदम न उठाने का नतीजा क्या हो सकता है। इस हिंसा और अस्थिरता के लिए सभी संबंधित पक्ष अपने-अपने कारण बता और एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन हिंसा की शुरूआत के समय ही यह साफ हो गया था कि इस मामले पर सरकार को वक्त रहते जो कदम उठाने चाहिए थे, उसे लेकर लापरवाही बरती गई। अब हालत यह है कि सर्वोच्च न्यायालय को सरकार से यह पूछना पड़ा है कि उसने मणिपुर संकट के हल के लिए क्या किया। गौरतलब है कि मणिपुर में हिंसा को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से तीन मुख्य बिंदुओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा। इन बिंदुओं में वहां मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हो रही हिंसा को रोकने के लिए उठाए गए कदम, बेघर और हिंसा प्रभावित लोगों को दोबारा बसाने, सुरक्षा बलों

की तैनाती और कानून-व्यवस्था की जानकारी देना शामिल है। यों सरकार यह जरूर कहती है कि उसने मणिपुर में बिगड़े हालात में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाए हैं, लेकिन हकीकत यह है कि वहां दो महीने पहले मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति दर्जे से जुड़े मसले पर शुरू हुई हिंसा आज भी जारी है। सवाल है कि देश के किसी राज्य में किसी भी सवाल पर भड़की हिंसा और अराजकता अगर इतने लंबे वक्त तक जारी रहती है तो यह किसकी नाकामी है और इसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाएगा। राज्य सरकार की ओर से कानून-व्यवस्था को कायम रखने को लेकर जो भी कदम उठाए गए, उसका हासिल क्या हुआ है? इस सिलसिले में केंद्र सरकार की ओर से भी शांति समिति बनाने की पहल हुई थी। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र और मणिपुर सरकार ने कहा है कि राज्य में स्थिति धीरे-धीरे ठीक हो रही है। मगर हकीकत यह है कि अब तक इस मसले को सुलझाने की कोशिशें नाकाम ही हुई हैं और मणिपुर में जातीय हिंसा जारी है। रविवार को भी वहां चल रहे संघर्ष में चार लोगों की हत्या कर दी गई। अब तक कुल एक सौ दस लोग मारे जा चुके हैं। विचित्र है कि जहां हालात को नियंत्रित करने के लिए हर स्तर पर जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए, वहां के मुख्यमंत्री ने इसके पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका जाहिर की है। अगर ऐसा है भी तो ऐसी ताकतों का पदाफांश करने और हिंसक संघर्षों को तुरंत रोकने की जवाबदेही किसकी है! अगर उग्रवादियों की ओर से किसी खास समुदाय के विनाश की खुलेआम धमकी देने की खबरें सही हैं, तो उनके खिलाफ ठोस और साफ संदेश देने वाली कार्रवाई करना किसका दायित्व है? हालांकि केंद्रीय गृहमंत्री की ओर से राज्य में शांति और सौहार्द लौटाने की अपील के बाद कुछ कुकी संस्थाओं ने मणिपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगाए अवरोध हटा लिए थे, लेकिन जरूरत इस बात की है कि टकराव में शामिल सभी संबंधित पक्षों के बीच संवाद और विश्वास बहाली की प्रक्रिया बिना शर्त तुरंत शुरू की जाए, क्योंकि आखिरी हल संवाद के जरिए ही निकलना है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

राजनीति के रंग

महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले चार सालों से नाटकीय घटनाक्रम थमने का नाम नहीं ले रहे। अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तिरपन में से चालीस विधायकों ने आश्चर्यचकित करते हुए एकनाथ शिंदे सरकार को समर्थन दे दिया। अजित पवार उपमुख्यमंत्री बन गए और राकांपा के आठ विधायक मंत्री पद पा गए। इसे कुछ लोग भाजपा की बड़ी जीत और शरद पवार को बड़ा झटका मान रहे हैं। एकनाथ शिंदे खुश हैं कि उनकी सरकार को और ताकत मिल गई है। कई लोग इसे भाजपा की बदले की कार्रवाई मान रहे हैं। दरअसल, इस बार का विधानसभा चुनाव भाजपा और शिवसेना ने साथ मिल कर लड़ा था। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। मगर शिवसेना ने उसके साथ सरकार बनाने से इंकार कर दिया था। उस वक्त भी अजित पवार भाजपा के साथ खड़े हो गए थे। देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली थी। मगर राकांपा के विधायकों ने अजित पवार का साथ नहीं दिया और वह सरकार तीन दिन में ही गिर गई थी। फिर शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन से महाविकास अघाड़ी की सरकार बनी। मगर करीब दो साल बाद एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी और शिवसेना के ज्यादातर विधायकों को लेकर भाजपा से हाथ मिला लिया था। इस तरह उद्धव ठाकरे सरकार गिर गई। अब वही घटनाक्रम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में दोहराया गया है। इस बार अजित पवार के एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने से निस्संदेह राकांपा को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उसके ज्यादातर बड़े और शरद पवार के भरोसेमंद नेता पार्टी से अलग हो गए हैं। कहा जा रहा है कि बागी नेता अब पार्टी के नाम और निशान पर भी अपना दावा ठोंकेंगे। हालांकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार और उनके साथ गए नेताओं के कदम को गैरकानूनी बता रही है। पार्टी नियमों के तहत न तो अजित पवार को विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार था और न पार्टी आलाकमान की इजाजत के बगैर उन्हें इस तरह सरकार में शामिल होने का। इसे अदालत में चुनौती देने की प्रक्रिया भी चल रही है। इसी तरह शिवसेना ने भी एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों को कानूनी चुनौती दी थी, मगर उसका कोई लाभ उसे नहीं मिला। राकांपा को भी इसमें कुछ हाथ लगने वाला नहीं है। अगले साल वहां विधानसभा के चुनाव हैं और तब तक अदालती कार्रवाई शायद ही पूरी हो पाए। यह ठीक है कि चुन कर आए प्रतिनिधियों को सरकार बनाने के समीकरण तय करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर जिस तरह महाराष्ट्र में पिछले चार सालों में सैद्धांतिक मूल्यों को धता बताते हुए सत्ता में शामिल होने की दौड़ चल रही है, उससे आखिरकार ठगे मतदाता जा रहे हैं। मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव न केवल उनके व्यक्तित्व को देख कर करते, बल्कि उनकी पार्टी के सिद्धांतों को भी तरजीह देते हैं। शिवसेना को छोड़ कर अलग हुए नेताओं को मतदाताओं ने शिवसेना के सिद्धांतों के आधार पर चुना था। इस तरह जब वे अलग हुए तो उन्होंने अपने मतदाताओं की भावनाओं को आहत किया। इसी तरह राकांपा के विधायकों ने पार्टी से बगावत कर अपने मतदाताओं को ही ठगा है।

युवा परिषद की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक अयोध्या में सम्पन्न

उक्त बैठक युवा परिषद के परामर्श प्रमुख पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी की पावन उपस्थिति और राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एजेंडा के अनुरूप सर्वप्रथम युवा परिषद के मुख्य संयोजक प्रतिष्ठाचार्य श्री विजय कुमार जैन ने मंगलाचरण किया।

अयोध्या. शाबाश इंडिया

शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि अयोध्या में गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी एवं प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के सान्निध्य में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक युवा परिषद के परामर्श प्रमुख पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी की पावन उपस्थिति और राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एजेंडा के अनुरूप सर्वप्रथम युवा परिषद के मुख्य संयोजक प्रतिष्ठाचार्य श्री विजय कुमार जैन ने मंगलाचरण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा सभी को युवा परिषद के संदर्भ में विभिन्न जानकारी एवं कार्यकलापों से अवगत कराया गया। युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि एजेंडा के अनुरूप इस अवसर पर युवा परिषद् की संगठनात्मक प्रगति पर विचार करते हुए विभिन्न प्रदेशों में युवा परिषद् के अधिवेशन करने पर विचार किया गया।

इसी संदर्भ में शीघ्र एक अधिवेशन शीतल तीर्थ-रतलाम में करने का निर्णय हुआ। इसी प्रकार आगामी कार्य योजनाओं में **''हर घर के द्वार सजाएं, णमोकार महामंत्र लिखाएं''** इस योजना पर भी विचार करके इसे आगे बढ़ाने का निर्णय किया गया। इसी प्रकार अन्य योजना में युवा परिषद की एक स्मारिका का प्रकाशन भी आगामी भविष्य में किये जाने की रूपरेखा पर प्रस्ताव पारित हुआ। चूंकि वर्तमान में पूज्य माताजी के द्वारा भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ का ऐतिहासिक विकास कार्य चल रहा है जिसमें अयोध्या कमेटी द्वारा एक प्रभावना रथ का भी प्रवर्तन किया जा रहा है। अतः इस रथ प्रवर्तन में भी देश की विभिन्न युवा परिषद शाखाओं के द्वारा अपना सहयोग दिया जाये और अयोध्या के विकास में युवा परिषद को भी यशस्वी बनाया जाये, ऐसा निर्णय सभी के द्वारा तय हुआ। इस संदर्भ में परामर्श प्रमुख पीठाधीश स्वामीजी ने रथ की समस्त कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा करके प्रारूप बताया, जिसमें राजस्थान प्रदेश के लिए सर्वप्रथम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन एवं राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर को भार सौंपा गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। बैठक में ही युवा परिषद् बुलेटिन के नवीन अंक माह जून का विमोचन भी पूज्य माताजी के करकमलों से सम्पन्न कराया गया। उक्त बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही संरक्षक हसमुख गांधी-इंदौर, डॉ. अनुपम जैन-इंदौर, मुख्य संयोजक प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन-जम्बूद्वीप, उपाध्यक्ष पवन कुमार जैन 'घुवारा'-टीकमगढ़, राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन-जयपुर, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन-जयपुर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री निधेश जैन-टिकैतनगर, केन्द्रीय प्रभारी मंत्री-बुन्देलखण्ड अशोक जैन क्रांतिकारी-हटा आदि उपस्थित रहे। अंत में प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने अपना उद्बोधन देते हुए युवा परिषद् को जैन समाज में हो रहे अंर्तजातीय-विजातीय विवाहों पर चिंता व चिंतन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सज्जातीय विवाह परिचय सम्मेलन आज समाज की आवश्यकता है। युवा परिषद् को इस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अयोध्या तीर्थ के विकास में भी युवा परिषद् को हर संभव अग्रणी रहकर अपने यश को बढ़ाने का यह मौका हासिल करना चाहिए और देश की समस्त शाखाओं के युवाओं को इस तीर्थ के विकास, प्रभावना व प्रचार-प्रसार में अपनी श्रेष्ठ सेवाएं देना चाहिए। इसी प्रकार अंत में पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने भी पधारे समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को सभी कार्यों में सफलता के लिए अपना वात्सल्यमयी मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

मंगल कलश स्थापना मे उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

श्रेयांशगिरि.पन्ना। पन्ना जिला अंतर्गत सलेहा के निकटवर्ती जैन तीर्थ श्रेयांशगिरि मे परम पूज्य बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, भारतगौरव, राष्ट्रसंत, गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज ससंघ वर्ष 2023 का पैंतालीसवां मंगल वर्षायोग/ चातुर्मास हेतु कलश स्थापना एवं गुरु पूर्णिमा का भव्य आयोजन विविध कार्यक्रमों के साथ भारी जनसमुदाय की उपस्थिति मे किया गया। चातुर्मास समिति एवं भरत सेठ ने बताया कि कलश स्थापना एवं गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम में देश के मध्य प्रदेश, नागालैंड, आसाम, अरुणाचल, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित जैन तीर्थ नैनागिरि व द्रोणगिरि,जैन समाज बकस्वाहा, बड़ामलहरा, घुवारा सहित अनेक स्थानों से भारी संख्या में धर्मावलंबी सम्मिलित होकर इस पुण्यशाली क्षणों के साक्षी बनकर सौभाग्य एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास का प्रथम कलश पुखराज, मनोज कुमार जैन सतना, द्वितीय कलश कपूरचंद जैन जयपुर व तृतीय कलश राहुल जैन अहिंसा परिवार करहल बालों को सौभाग्य प्राप्त हुआ। परम पूज्य गुरुदेव के पाद प्रक्षालन पुखराज, मनोज सतना एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य विष्णु कुमार बोहरा निवाई बालों को प्राप्त हुआ।

धन कुछ तो है पर सब कुछ नहीं है : आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी

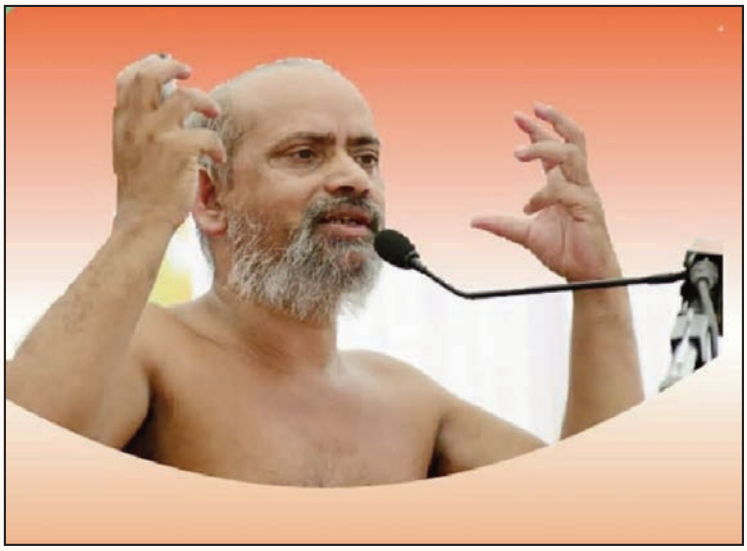

राजेश जैन दद्दू शाबाश इंडिया

बड़ोत। बालकों को याद रखो धन कुछ तो है पर सब कुछ नहीं है। धन, धरती जीने के साधन हैं, पर वह भी साथ जाने वाले नहीं हैं, यहीं छूट जायेंगे । जीवन में उत्कर्ष प्राप्त करना है तो धन को नहीं, धर्म को श्रेष्ठ मानना वर्तमान में देश परस्पर में क्यों लड़ रहे हैं ? मात्र धन और धरती के लिए। शासकों की धन - धरती की चाह ही युद्धों की ओर धकेल रही है। यह उद्गार बड़ोत उत्तर प्रदेश में चातुर्मास कर रहे चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इंदौर से बड़ौत गए धर्म सभा में उपस्थित महाराजश्री के युवा भक्त श्री सार्थक जैन हर्ष कासलीवाल, चिराग जैन, अतिशय जैन, अमन कासलीवाल एवं अतिशय सोनी आदि ने बताया कि आचार्य श्री ने प्रवचन में उदाहरण देते हुए आगे कहा कि साँप को कितना ही साथ में रखना, पर वह मौका देखकर डस ही लेगा । ऐसे ही धन उतना ही रखना जितना आवश्यक हो नहीं तो वही धन तुम्हारी मृत्यु का कारण बनेगा । लोग पहले धन कमाने के लिए दिन - रात एक करते हैं, अधिक - से अधिक धन कमाने के लिए , फिर अस्वस्थ होकर प्राण बचाने को डॉक्टर को धन देते हैं । जीवन में क्या किया ? बाल्यकाल से यौवन काल तक पढ़ाई की फिर यौवन अवस्था धन कमाने में लगा दी और जब सुख के दिन आये तो रोगों ने घेर लिया , सो वृद्धावस्था दवाई खाते - खाते निकल गई । पूरा जीवन जोड़ने जोड़ने में व्यर्थ गमा दिया। धन के अर्जन में और धन की रक्षा में दुःख हे । धन की चाह उतनी ही करो जिससे जीवनोपयोगी सामग्री जुटा सको , पर धन के कमाने में पूरा जीवन मत लगा देना । मनुष्य बने हो , नर देह प्राप्त की है तो इसका वेदन करो और सुखमय जीवन जियो।

गोमाता सेवा ही सच्ची सेवा : गोयल

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था के 49 वे स्थापना दिवस के सेवा सप्ताह के पंचम दिवस आज कुचामन गोशाला के बीड़ मे सचिव वीर अजित कुमार अप्रित कुमार उत्कर्ष पहाड़ियां परिवार द्वारा जीवदया सेवा के तहत गोमाता एक ट्रेक्टर हरा रीजका गुप्त सजन्न द्वारा गुड खिलाया कर पानी का टेकर डलवाया। वीर सुरेश जैन कोषाध्यक्ष ने बताया कि गोसेवा में संस्था के अध्यक्ष रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार जैन, सम्पत बगड़िया, तेजकुमार बड़जात्या, यूथ कोषाध्यक्ष संदीप पान्डया, मेधा पहाड़ियां, अशोक कुमार काला, जितेन्द्र जैन, महेश लढा जीवदया सेवा में सहयोग किया सभी को गोसेवा कर बहुत अच्छा लगा। अध्यक्ष रामावतार गोयल ने कहा ही इस आधुनिक काल में मानव को ज्यादा से ज्यादा गोसेवा कर सच्चा पुण्य लाभ लेना चाहिए।

सत्य अहिंसा और स्याद्वाद तो सभी धर्मों का प्राण हैं: मुनि शुद्ध सागर

निवाई मे चातुर्मास 2023 मंगल कलश स्थापना समारोह 9 जूलाई को

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन बिचला मंदिर पर मुनि शुद्ध सागर महाराज के सान्निध्य में आयोजित होने वाले चातुर्मास 2023 का मंगल कलश स्थापना समारोह 9 जूलाई को अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। इस उपलक्ष्य में चातुर्मास स्थापना समारोह कार्यक्रम से पूर्व 8 जूलाई को महिला मण्डल द्वारा लधु नाटिका का मंचन किया जाएगा। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि समारोह में अभिषेक शांतिधारा ध्वजारोहण आचार्य श्री का पूजन प्रवचन सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर मुनि शुद्ध सागर महाराज ने कहा कि विश्व का कोई भी धर्म हो सत्य अहिंसा और अध्यात्म की बात उसमें निश्चित मिलेगी। गीता पुराण आदि सभी मे धर्म की यह परिभाषा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि जो आत्मा का उत्थान कराये वह धर्म है और जो आत्मा का पतन कराये वह अधर्म है। सत्य अहिंसा और स्याद्वाद तो सभी धर्मों का प्राण है। जौंला ने बताया कि प्रवचन सभा से पूर्व मंगलाचरण नन्दलाल चौधरी ने किया। सुनिल भाणजा ने बताया कि गुन्सी मे सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ स्थल पर प्रथम बार गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संघ के सानिध्य में चातुर्मास 2023 का आगाज मंगल कलश स्थापना समारोह कार्यक्रम 9 जूलाई को विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा किया जाएगा।

श्रीमुनीसुव्रतनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक मनाया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में 1008 श्री मुनीसुव्रतनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर महामस्तकाभिषेक कर सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक किया गया। चांदमल जैन ने मुनीसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की एवं शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ भगवान पर भी श्रावकों द्वारा शांतिधारा की गई। इस उपरांत भक्ति-भाव से मुनीसुव्रतनाथ भगवान की पूजा- अर्चना कर अर्घ समर्पण किए। इस अवसर पर कई श्रावक-श्राविकाऐ उपस्थित थे।

पवन जैन पदमावत को दिगम्बर जैन युवा रत्न की उपाधि से नवाजा

बड़नगर. शाबाश इंडिया। मध्यप्रदेश राज्य के अंतर्गत उज्जैन जिला के बड़नगर में परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री चिन्मयश्री माताजी एवं परम पूज्य आर्यिका 105 श्री विप्रभमति माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित चातुर्मास कलश स्थापना समारोह के दौरान समस्त दिगम्बर जैन समाज, बड़नगर द्वारा पवन जैन पदमावत को **''दिगम्बर जैन युवा रत्न''** की उपाधि से नवाजा गया। पवन जैन पदमावत यूं तो भारत देशवासियों के लिए कतई अपरिचित नहीं है। लेकिन पवन जैन पदमावत का एक ऐसा मानवीय चेहरा भी है जो सबके लिए किसी भी प्रकार के बिना भेदभाव से कार्य करते है। बड़नगर के दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अजीत टोंग्या ने बताया की पवन जैन पदमावत को दिगम्बर जैन युवा रत्न की उपाधि उनके द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, अनीति एवं अन्याय के विरुद्ध किए गए कार्यों और समाजसेवा के लिए प्रदान किया गया। पत्रकार मनीष टोंग्या ने कहा कि एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल कमिटी के मीडिया सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदमावत मीडिया के प्रधान सम्पादक पवन जैन पदमावत यूं तो भारत के जन-जन के लाडले जुझारू ऊजार्वान के नाम से जाने जाते हैं। छोटी सी उम्र में महाराष्ट्र एवं राजस्थान सहित हर राज्य में इन्होंने अपनी सेवा देकर एक कीर्तिमान बनाया है। इन्होंने हर कार्य पूरी निष्ठा से कार्य किए हैं। डॉली दीदी ने कहा कि पवन जैन पदमावत ने अपने कार्यों की बदौलत निरंतर जैन समाज को गौरवान्वित किया। आर्यिका 105 श्री चिन्मयश्री माताजी ने पवन जैन पदमावत को दिगम्बर जैन युवा रत्न की उपाधि से नवाजा जाने पर मंगल आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बड़नगर के नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, अशोक गोधा, अजीत टोंग्या, नरेन्द्र जैन निधि, देवेन्द्र टोंग्या, संजय बिलाला, जितेन्द्र कासलीवाल, गुणवंत टोंग्या, संजय पाटनी, अंकित जैन सूरत, पत्रकार मनीष टोंग्या आदि बड़नगर के समस्त दिगम्बर जैन समाज के समाज गण एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

आचार्य श्री अतिवीर मुनिराज का लाल मन्दिर में हुआ मंगल प्रवेश

समीर जैन. शाबाश इंडिया

दिल्ली। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का राजधानी दिल्ली के अतिशयकारी श्री दिगम्बर जैन लाल मन्दिर, चांदनी चौक में दिनांक 5 जुलाई 2023 को मंगल चातुर्मास हेतु आगमन पर जैन समाज द्वारा ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पिछले कई वर्षों के सतत प्रयासों के बाद आचार्य श्री के लाल मन्दिर में चातुर्मास स्थापना होने से समस्त क्षेत्र में अत्यंत हर्ष व उमंग का माहौल बना हुआ है। आचार्य श्री का विशाल शोभायात्रा के साथ प्राचीन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, दिल्ली गेट से मंगल विहार प्रारंभ हुआ तो गुरुभक्तों ने जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। शोभायात्रा में बैंड-बाजे, नफीरी-ताशा, जैन ध्वज, स्कूली बच्चे, महिला, पुरुष आदि अपार जनसमूह साथ-साथ चल रहे थे। मार्ग में जगह जगह आकर्षक रंगोली बनाकर महाराज जी का भावभीना स्वागत किया गया। विशाल शोभायात्रा का दरियागंज क्षेत्र पहुंचने पर भव्य अगवानी हुई। अहिंसा मन्दिर, वीर सेवा मन्दिर, जैन बाल आश्रम आदि प्रमुख स्थानों पर तथा समाजजन ने अपने घर के बाहर पाद प्रक्षालन व मंगल आरती कर पूज्य आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। उत्साह व हर्ष से भरपूर भक्तों के साथ पूज्य आचार्य श्री का चातुर्मास स्थल पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया जहां सर्वप्रथम चातुर्मास निमित्त एक विशालकाय बैलून लगाया गया। 18 सौभाग्यशाली परिवारों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया व मंगल आरती कर भावभीना स्वागत किया। यहां विराजमान गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री 105 चन्द्रमती माताजी ने भी आचार्य श्री की चरण-वंदना कर अगवानी की। प्राचीन श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पंचायत के पदाधिकारी, सभी जिनालयों के प्रबंधक, समस्त महिला मण्डल व जैन स्कूल की अध्यापिकाओं ने आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास एक ऐसा प्रसंग है जब समाज को संत का सान्निध्य इतने लंबे समय तक प्राप्त होता है। समस्त समाज को इस अमूल्य समय का सदुपयोग करना चाहिए। गुरुवर को याद करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि यदि आज वह होते तो लाल मन्दिर चातुर्मास को देखकर अवश्य ही बहुत प्रसन्न होते। इतने वर्षों से प्रयासरत पंचायत की भी भावना इस वर्ष साकार रूप ले रही है। उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री का चातुर्मास कलश स्थापना समारोह आगामी रविवार 9 जुलाई को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होगा।

> धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास एक ऐसा प्रसंग है जब समाज को संत का सान्निध्य इतने लंबे समय तक प्राप्त होता है। समस्त समाज को इस अमूल्य समय का सदुपयोग करना चाहिए।

जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ के गर्भकल्याणक दिवस मनाया

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में स्थित मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन नया मंदिर जी में आज जैन समाज के 20 वें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया, जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अवगत कराया कि कार्यक्रम में प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, एवं अष्टद्रव्यों से पूजा के बाद भगवान शांतिनाथ की शांति धारा कर धर्म लाभ प्राप्त किया, बाद में सारे समाज ने सामूहिक रूप से मुनि सुव्रतनाथ भगवान के समक्ष सुख समृद्धि और शांति की मनोकामना करते हुए गर्भ कल्याणक का अर्घ चढाया, साथ ही चौबीस तीर्थंकरों, विभिन्न आचार्यों, आर्यिकाओं के भी विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा अर्घ्य चढ़ाये गये। कार्यक्रम में कपूरचंद नला, नारायण लाल सिंघल, मोहनलाल झंडा, भागचंद टीबा वाले,कैलाश कासलीवाल, सोभागमल सिंघल, हरकचंद झंडा, रमेश बजाज, पं.संतोष बजाज, भागचंद कासलीवाल, पारस चौधरी, महेंद्र गोधा, महेंद्र कासलीवाल, महावीर बजाज, महावीर मोदी, ओमप्रकाश कासलीवाल, राजकुमार कागला, कमलेश झंडा, विनोद झंडा, कमल झंडा, सुशील कासलीवाल, बिज्जू कासलीवाल, कालू कासलीवाल, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आत्मा होने तक शरीर का मोल, प्रार्थना व जिनवाणी श्रवण से करें शरीर को रिचार्जः इन्दुप्रभाजी म.सा.

नहीं भूलें अपने धर्म की पहचान, कम से कम प्रतिदिन करें एक सामायिक

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनवाणी हमे जीवन को निर्मल बनाने का संदेश देती है। हमारी जिंदगी कमाने, खाने-पीने ओर सोने में ही न बीत जाए इसके लिए प्रतिदिन कम से कम 48 मिनट की एक सामायिक साधना अवश्य करें। आत्मा हमारी सिम और शरीर मोबाइल है। शरीर की इन्द्रिया चार्ज होती रहने पर वह चलता रहेगा। ज्ञान रूपी चार्जर का उपयोग करते रहे। आत्मा होने तक शरीर का मोल है। प्रार्थना ओर जिनवाणी से शरीर रिचार्ज हो जाता है। आत्मा और शरीर को जोड़ ज्ञानार्जन करने पर जीवन सार्थक होगा। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में मंगलवार को नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समय का सदुपयोग कर जिनवाणी अवश्य श्रवण करें और अपनी धर्म की पहचान को कभी नहीं भूले। स्थानक में जिनवाणी श्रवण के लिए आए तो मुखवस्त्रिका का अवश्य उपयोग करें ओर सभी सामायिक के वेश में बैठे। जो सामायिक नहीं करते उन्हें भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया जाए। साध्वीश्री ने कहा कि कर्ज ओर मर्ज स्वयं को भोगना पड़ता है। इसी तरह जो धर्म करेंगा उसका फल उसे ही मिलेगा दूसरा प्राप्त नहीं कर सकता। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी ने जैन रामायण का वाचन करते हुए कहा कि उस समय तीर्थंकर मुनिसुव्रत का शासन चल रहा था। रामायण के मुख्य पात्र राम, लक्ष्मण और सीता है जिनके जीवन से हम बहुत कुछ सीख सकते है। राम का नाम लेने से सर्व कष्ट व पाप दूर होते है।

त्याग और नियम पालना आत्मकल्याण में सहायक

धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी सुनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इसे नहीं सुनने पर दुर्गति पक्की है। जिनवाणी श्रवण पुण्यार्जन कर अशुभ कर्मो का क्षय करती है। उन्होंने जीव हिंसा से बचने के लिए जमीकंद व वनस्पति का उपयोग नहीं करने या न्यूनतम करने की भी प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आत्मकल्याण के लिए जीवन में त्याग ओर नियम के ब्रेक लगाए और द्रव्य मयार्दा रखे। जीवन में छोटे-छोटे त्याग करने पर भी कल्याण हो सकता है। धर्मसभा में आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने गीत प्रस्तुत किया। धर्मसभा में आगममर्मज्ञ चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में उपवास, आयम्बिल व एकासन तप के प्रत्याख्यान भी लिए गए। चातुर्मास के पहले ही सप्ताह में अब तक तीन तेला तप प्रत्याख्यान हो चुके है। धर्मसभा में नवीन नाहर ने गीतिका प्रस्तुत की। संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक होंगे।

प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप में भी श्रावक-श्राविकाएं उत्साह से सम्मिलत होकर पंचपरमेष्टी देव की आराधना कर रहे है। प्रत्येक रविवार प्रातः 8 से 8 .30 बजे तक युवाओं के साथ धमचर्चा का आयोजन होगा। इसमें युवा अपने मन की जिज्ञासाओं का पूज्य साध्वीवृन्द से समाधान कर सकेंगे।

अति हमेशा नुकसानदायी, खुशी में भी हो सकता अनर्थ

आगममर्मज्ञ चेतनाश्रीजी म.सा धर्मसभा में हर माह में एक बार आने वाली पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा कि हर पूर्णिमा किसी पर्व या महापुरूष से जुड़ी है। श्रावणी पूर्णिमा रक्षाबंधन का प्रतीक है। बहन और भाई एक-दूसरे के बिना आबाद नहीं हो सकते। उन्होंने होटलों में जाकर शादी की 25वी, 50वीं सालगिरह मनाने से बचने की सलाह देते हुए कहा कि ये धर्म के अनुरूप नहीं है और कर्मो का बंधन करते है। कभी-कभी खुशी में भी अनर्थ हो जाता है। अधिकता से हमेशा बचना चाहिए। अधिक चलना, अधिक खाना, अधिक खुशी और अधिक गम भी कई बार हृदयघात का कारण बन जीवन को खतरे में डाल देते है। उन्होंने समाज में रिश्ते टूटने पर चिंता जताते हुए कहा कि समय के साथ चले पर जमाने की ऐसी कुरितियों से बचे जो आत्मा को भारी बना उसकी दुर्गति करती है। चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि जीवन में जाप अवश्य करना चाहिए ये हमारे भावों व विचारों को शुद्ध बनाते है।

हर रविवार को युवाओं के साथ धर्मचर्चा

श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। दोपहर 3 से 4 बजे तक साध्वीवृन्द के सानिध्य में धार्मिक चर्चा हो रही है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप में भी श्रावक-श्राविकाएं उत्साह से सम्मिलत होकर पंचपरमेष्टी देव की आराधना कर रहे है। प्रत्येक रविवार प्रातः 8 से 8.30 बजे तक युवाओं के साथ धमचर्चा का आयोजन होगा। इसमें युवा अपने मन की जिज्ञासाओं का पूज्य साध्वीवृन्द से समाधान कर सकेंगे। इसी तरह रविवार दोपहर 1 से 2 बजे तक बाल संस्कार कक्षा एवं दोपहर 3 से 3.40 बजे तक प्रश्नमंच का आयोजन होगा।

एम्बीशन किड्स में आचार्य विनित सागर जी का मंगल आगमन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर आचार्य 108 विनित सागरजी महाराज का आज श्योपुर जैन मंदिर में चौमासे के लिए आगमन हुआ। इस अवसर पर श्योपुर रोड से जुलूस के साथ महाराज का आगमन हुआ। एम्बीशन के निदेशक डां मनीष जैन रमणिर व प्राचार्या डां अलका जैन के निवेदन पर आचार्य श्री एम्बीशन किड्स ऐकेडमी परिसर में पधारे। इस अवसर पर महाराज का पादपश्रालन श्रेय जैन व हार्दिक जैन ने किया। आचार्य श्री की आरती भी की गई। स्कूल के बच्चों ने आचार्य श्री को नमोकार मंत्र व भक्तामर सुनाया। आचार्य ने बड़े मनोभाव से रुककर बच्चों को व स्टाफ को आशीर्वाद दिया। स्कूल प्रबन्ध समिति के चेयरमैन डां.एम.एल जैन ''मणि'' व सचिव डां शान्ति जैन ''मणि'' ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

रुवा की डॉक्टर शशिलता पूरी अध्यक्ष तथा डॉक्टर शशि उपाध्याय सचिव मनोनित

जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था की बैठक में द्विवार्षिक चुनाव हुए। इसमें डॉक्टर शशिलता पूरी अध्यक्ष, प्रो. बीना अग्रवाल उपाध्यक्ष, डॉक्टर शशि उपाध्याय सचिव, डॉक्टर निशा भारिल्ल कोषाध्यक्ष, डॉक्टर मधुलिका शर्मा कार्यक्रम समन्वयक एवम् डॉक्टर निधि शर्मा, श्रीमती दिव्या शर्मा व डॉक्टर प्रिया सयुक्त सचिव चुने गए। चुनाव चुनाव अधिकारी सुश्री मुदिता भार्गव ret. Judge द्वारा संपन्न करवाए गए। निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. दयमंती गुप्ता तथा निवर्तमान सचिव डॉक्टर निकी चतुर्वेदी ने नई कार्यकारिणी का स्वागत किया तथा निर्विघ्न चुनाव संपन्न करवाने के लिए चुनाव अधिकारी का आभार व्यक्त किया।

एस एफ एस रेजिडेंट डवलपमेंट सोसायटी के चुनाव संपन्न

ललित चंदगोठिया अध्यक्ष व राजेश जैन सचिव निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस एफ एस रेजिडेंट डवलपमेंट सोसायटी के चुनाव 2023 -25 के लिये ललित चंदगोठिया अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, विजय अरोड़ा, राजेश जैन सचिव, रतनलाल शर्मा कोषाध्यक्ष, सयुक्त सचिव किशन लाल छतानी, दिनेश कुमार मेहरा सयुक्त सचिव, सीमानाथ संगठन सचिव, अनंत लाल शर्मा, असित त्रिवेदी, कमलेश चंद जैन, के एम रामनानी, दर्शन कुमार चड्ढा, मनोज रायजादा, सुरेश कुमार शर्मा कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी आर के जैन तथा पी के गुप्ता के निर्देशन में चुनाव निर्विघ्न सम्पन्न हुआ।

विधानसभा की बैठकें 14 से, राष्ट्रपति का होगा भाषण

पेपरलीक करने वालों को उम्र कैद की सजा वाला बिल विधानसभा में पास करवाएगी सरकार

जयपुर. कासं

विधानसभा की बैठक 14 जुलाई से होगी। विधानसभा के बजट सत्र को ही अभी जारी रखा है। विधानसभा सचिवालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। पिछले तीन साल से बजट सत्र को ही लगातार रखा जा रहा है। विधानसभा की कार्यवाही तीन से चार दिन चलने की संभावना है। 14 जुलाई को विधानसभा की कार्य सलाहकर समिति की बैठक होगी जिसमें कामकाज तय होगा। 14 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विधानसभा में आएंगी। राष्ट्रपति सदन को संबोधित करेंगी। विधानसभा की तरफ से राष्ट्रपति को निमंत्रण भेजा गया है। आज कल में राष्ट्रपति भवन से मुर्मू के दौरे का आधिकारिक प्रोग्राम जारी हो जाएगा। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में यह आखिरी सत्र है। विधानसभा का बजट सत्र 23 जनवरी से शुरू हुआ था, 21 मार्च को कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई थी। अगस्त 2020 के बाद विधानसभा के एक ही सत्र को कंटीन्यू रखे जाने की शुरूआत की गई थी। पहले हर सत्र का सत्रावसान करके नए सिरे से सत्र बुलाया जाता था।

सरकार आधा दर्जन बिल पास करवाएगी

सरकार इस दौरान पांच से छह बिल लेकर आएगी। पेपरलीक करने वालों की सजा को बढ़ाकर उम्र कैद तक करने का प्रावधान वाला बिल भी 14 को विधानसभा में पेश करने की तैयारी है। इसे 15 जुलाई को बहस के बाद पारित करवाया जा सकता है। सीएम अशोक गहलोत ने मंगलवार को ही पेपरलीक करने वालों को उम्र कैद की सजार का प्रावधान करने के लिए विधानसभा में जल्द बिल लाने की घोषणा की थी।

बीजेपी पेपरलीक, कानून व्यवस्था से लेकर कई मुद्दों पर सरकार को घेरेगी

बीजेपी विधानसभा में पेपरलीक से लेकर बेरोजगारी, करप्शन, बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित अलग अलग मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। बीजेपी विधायक दल की बैठक बुलाकर रणनीति तय करेगी। कांग्रेस विधायक दल की बैठक भी 13 या 14 जुलाई को बुलाने की तैयारी है।

मुख्य सचिव का दिल्ली दौरा

मुख्य सचिव ने की केन्द्रीय कोयला सचिव से मुलाकात, राज्य मे कोयला आपूर्ति और बिजली उत्पादन से संबंधित मुद्दो पर की चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने केन्द्रीय कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीना से मुलाकात कर केन्द्र और राज्य के बीच कोयला आपूर्ति और बिजली उत्पादन से संबंधित लंबित मुद्दो पर चर्चा की। नई दिल्ली के शास्त्री भवन में बुधवार को आयोजित बैठक में राजस्थान में आमजन तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोयला आपूर्ति करने का आग्रह किया।

आचार्य श्री का चातुर्मासि हेतु नगर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

तोरण द्वार सजाकर भक्तों ने उतारी आरती किया पद प्रक्षालन

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षा ग्रहण कर जिन धर्म की पताका फहरा रहे आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ससंघ का आज प्रातः काल की वेला में भव्य नगर प्रवेश हुआ जहां जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई,मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा,थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, महामंत्री विपिन सिंघाई, संयोजक उमेश सिघई, मनीष सिघई ,श्रेयांस घेला, कमेटी के अजित वरोदिया, राजेन्द्र अमन, संजीव भारिल्ल, मनीष वरखेडा, प्रदीप तारई सहित अन्य भक्तों ने मुनि श्री की नगर के बाहर से पारसनाथ मन्दिर संयोजक मनोज रन्नौद के साथ भव्य आगवानी कर मुनि संघ को पारसनाथ मन्दिर में प्रवेश कराया।

पार्श्वनाथ मंदिर से हुई भव्य शोभायात्रा प्रारंभ

पारसनाथ मन्दिर एक भव्य विशाल शोभायात्रा के रूप में आचार्यश्री के संघ को नगर में प्रवेश कराया इस शोभा यात्रा में आगे आगे बैन्ड वाजे उनके पीछे पाठशाला के बच्चे इसके बहूवेटी संगठन की महिलाऐ हाथ में ध्वज लहराते हुए उनके पीछे विमर्श जागृति महिला मंडल उसके बाद श्री विद्यासागर महिला मंडल उनके पीछे महिला जैन मिलन इसके बाद महिला महा समिति की वहने अष्टप्रतिहार के साथ उनके पीछे श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग महिला मंडल पुष्प संजा के साथ इनके पीछे महिला परिषद की वहने अष्ट द्रव्य के साथ उनके वाद वामा देवी त्रिशला देवी महिला मंडल उनके पीछे श्री सुधासागरजी महिला मंडल शोभायात्रा में चल रहे थे वाल मंडल घोष इनके वाद श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग के उत्साही युवा दिव्य घोष के साथ आचार्यश्री आर्जवसागर जी महाराज ससंघ के आगे आगे चल रहे थे रास्ते में जगह-जगह भक्तों ने पाद प्रक्षालन कर आरती उतार कर अपनी श्रद्धा समर्पित की यह शोभायात्रा सुभाष गंज मैदान में आकर धर्म सभा में वदल गई। दीप प्रज्जवलित कर की महा आराधना जहां सभा के प्रारंभ में मंगलगान विटिया सलोनी उमेश सिघई ने किया आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र अनवरण समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक टींगू मिल उपाध्यक्ष गिरीष अथाइखेडा धर्मेन्द्र रोकड़िया महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीवचन्देरी प्रचार मंत्री विजय धुर्रा मिडिया प्रभारी अरविंद जैन गोशाला अध्यक्ष दिनेश मैदपुर मंत्री प्रसुन प्रमोद मंगलदीप राष्ट्रीय महासचिव राकेश लालाजी सहित कमेटी सदस्यों ने किया इस दौरान आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य पारसनाथ मन्दिर

संयोजक मनोज कुमार रन्नौद प्रकाश चन्द्र रन्नौद थूवोनजी के आडिटर राजीवचन्देरी सुरेश चंद्र मौसम कुमार संस्कार परिवार ने किया वहीं शास्त्र भेंट विमल जैन संजय मुडरा सुनील जैन वल्लू भ इया पूजा मार्वल सुरेश चंद्र विनोद जैन राजू मेडिकल सहित अन्य भक्तों ने किया। **भक्ति करने का चार माह के लिए सौभाग्य प्राप्त हो रहा है:** इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज हम सब के पुण्य और आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चरणों में अन्नय भक्ति से आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षा ले धर्म प्रभावना करने वाले आचार्यश्री आर्जवसागर जी महाराज का चातुर्मास मिला यहां वषायोग हमे धर्म ध्यान के नये नये आयामों से अवगत करायेगा युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि हम सब मिलकर बहुत भक्ति करेंगे जो लाभ मिलने जा रहा है वह चार माह तक जारी रहेगा इसलिए आप सब अपने को तैयार कर ले खासकर महिला मंडलो ने जो उत्साह वनाया वह और भी वृद्धि को प्राप्त हो इस दौरान वोली या नमन भ इया दारा सम्पन्न कराई गई आचार्य श्री की पूजन नमन भ इया के मंत्रोच्चार व शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के महिला मंडल पुण्य को बड़ाया नहीं तो पुण्य खत्म हो जाएगा। इस दौरान आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ने कहा किः सौलह कारण के विधान के साथ ही व्रत करके अपने पुण्य को बड़ाये धर्म हमारे पुण्य में वृद्धि करता है यदि पुण्य को बड़ाया नहीं तो पुण्य खत्म हो जाएगा विचार करों की हमारे काम करने से क्या परिणाम निकल रहे क्या हम पुण्य बड़ा रहें हैं या पाप कि क्रिया में ही रत है साधु उपदेश देकर आपके ज्ञान को बढ़ाता है ज्ञान ही जीवन का बहुत बड़ी साधन है ऐसे लोगों से मैत्री करें जिसके द्वारा राग द्वेष का प्रति कार हो जाए संसार से अरूचि हो कर धर्म के प्रति रूचि वड़ती चली जाती है ज्ञानी से ज्ञानी मिलने पर धर्म की दो दो वाते हो सकती है अपने जीवन को अच्छा वनाने की कला सीखें।